SIMON & SCHUSTER'S

PIMSLEUR®

मालिक की पुस्तिका

शीघ्रता से और आसानी से अँग्रेज़ी बोलना सीखिये

ENGLISH FOR HINDI SPEAKERS

पिम्ज़लर भाषा कार्यक्रम

बधाई हो ! आपने दुनिया का सबसे प्रभावशाली भाषा कार्यक्रम ख़रीदा है। शायद आप जानते हों कि नयी भाषा सीखना निराशाजनक हो सकता है। शायद आपने विदेशी भाषा सीखने का अनुभव पहली बार विधालय में किया हो। अगर आपको भाषा की कक्षा कठिन लगी या अगर आपको कम अंक मिले तो शायद आपने यह विश्वास कर लिया कि आप में भाषा सीखने की योग्यता नहीं है। अगर आपको अच्छे अंक भी मिले तो शायद बाद में आपको यह जानकर आश्चर्य हुआ होगा कि जो कुछ भी आपने सीखा था वो आपके कोई काम नहीं आया जब आपने उस भाषा के जन्मजात बोलने वाले के साथ बात करने की कोशिश की।

शायद आपने अपने जीवन में देर तक प्रतीक्षा की और व्यस्क शिक्षा की कक्षा, भाषाओं के विधालय, या घरेलु प्रशिक्षण कार्यक्रम से अध्धयन करने का प्रयास किया। वहाँ भी शायद आपको जो जानकारी मिली उसे याद रखना कठिन था। अध्याय कठिन थे, और आपकी प्रगति धीमी थी। अनेक भाषा के विधार्थी इन कार्यक्रमों मे जल्दी ही हिम्मत हार जाते हैं, और उनको यह विश्वास हो जाता है कि वो जो पढ़ते और सुनते हैं उसे समझने और इस्तमाल करने की प्राकृतिक क्षमता उनमें नहीं है।

सच्चाई यह है कि अगर शिक्षा की प्रणाली उचित हो तो कोई भी विदेशी भाषाएँ सीख सकता है। पिम्ज़लर भाषा कार्यक्रम के कई सालों के अनुसंधान और विकास ने विदेशी भाषाओं के शिक्षण के लिये दुनिया की सबसे प्रभावशाली विधि को स्थापित किया है और आप इस विधि से लाभ उठा सकते हैं। पिम्ज़लर भाषा कार्यक्रम, जिसको डाक्टर पौल पिम्ज़लर ने स्थापित किया था, कई भाषाओं में स्वशैक्षिक विषयों की महत्वपूर्ण ज़रुरत को पूरा करता है। जैसे तेज़ रफ़्तार की यात्रा और दूरसंचार हमें एक दूसरे के समीप लाती है, वैसे विश्वव्यापी पड़ोसियों से बात करने की हमारी ज़रुरत भी बढ़ती जाती है। सरकारी नौकर, व्यापारी, छात्र, यात्री - सभी उपयोगी और प्रभावशाली पिम्ज़लर विधि से लाभ उठा सकते हैं।

कार्यक्रम को इस्तमाल करने का तरीक़ा

हर पाठ से पूरा लाभ उठाने के लिये अध्ययन का सर्वश्रेष्ठ वातावरण बनाने का प्रयास कीजिये। एक शांत जगह चुनिये जहाँ आप बिना किसी रुकावट के अध्ययन कर सकें और ऐसे समय पढ़िये जब आपका मन चौकन्ना हो और आपका शरीर थका हुआ नहीं हो। आप अपनी गाड़ी में भी पढ़ सकते हैं इस कार्यक्रम को सुनते हुये जब आप काम पर जा रहे हों या यात्रा कर रहे हों।

हर पाठ लगभग ३० मिनट लंबा है। डाक्टर पिम्ज़लर के अनुसंधान ने यह साबित किया है कि पढ़ने के लिये आधा घंटा सबसे अनुकूल समय होता है। आधे घंटे के बाद नयी जानकारी को याद रखने की क्षमता मन में कम हो जाती है। आप हर दिन सिर्फ़ एक पाठ को पढ़ने का प्रयास कीजिये। आप चाहे हर दिन दूसरे पाठ को पढ़ने का प्रयास करें या उन चीज़ों को दुहरायें जिनको आपने पूरी तरह से नहीं सीखा है, यह अत्यंत आवश्यक है कि आप अपने आप को हर दिन नयी भाषा से परिचित करायें।

कार्यक्रम को आरंभ करने के बाद कृप्या शिक्षक के आदेश का पालन करें। सबसे महत्वपूर्ण आदेश यह है कि जब शिक्षक आपको बोलें तो आप स्पष्ट आवाज़ में उत्तर दें। इस आदेश के बाद थोड़ा ठहराव होगा ताकि आपको उत्तर देने का समय मिले। आपकी उन्नति के लिये यह आवश्यक है कि जब आपसे उत्तर देने के लिये पूछा जाये तब आप स्पष्ट बातचीत की आवाज़ में बोलें। इस पाठयक्रम को सफ़लता से संपूर्ण करने के लिये यह आवश्यक है कि आप सोचने और बोलने में सक्रिय भाग लें।

आप पढ़ते समय अपने पास काग़ज़ और क़लम नहीं रखें और शब्दकोष या किसी और पुस्तकों का इस्तमाल नहीं करें। पिम्ज़लर विधि आपके मस्तिक के भाषा सीखने वाले विभाग के साथ काम करती है जिसके कारण यह आवश्यक हो जाता है कि भाषा की प्रक्रिया बोलचाल के रूप में हो। अगर आप शब्दों को सुनकर उन्हें लिखने की कोशिश करेंगे तो आप सीखने की प्रक्रिया में बाधा डालेंगे।

सफ़लता के लिये निर्देश

- आप पाठों को एकदम निरंतर क्रम में समाप्त करें, आप पाठों के बीच में अंतराल नहीं दें। अगर एक पाठ एक बार से ज़्यादा दुहराया जाये, फिर भी आप एक दिन में एक पाठ से अधिक नहीं पढें।
- आप हर पाठ को ध्यान से सुनें। आप सदैव शिक्षक के आदेश का पालन करें।
- जब शिक्षक आदेश दें तो आप ज़ोर से बोलें और प्रश्न का उतर ठहराव के बीच में दें।
- आप किसी बाहरी आदमी, पुस्तक, या पाठयक्रम से सहायता नहीं लें और निर्देशन के अनुसार सभी आवश्यक कार्य को संपूर्ण करें।

अपनी प्रगति की जाँच करें

प्रवीणता की सबसे आसान परीक्षा यह है कि जब आपके शिक्षक आपसे प्रश्न पूछें तो आप शीघ्रता से सही उतर दें। अगर आप अस्सी प्रतिशत सही उतर दे रहे हैं, तो आप अगले पाठ का अभ्यास करने के लिये तैयार हैं। यह अत्यंत आवश्यक है कि आप निरंतर प्रगति करें और सफ़लता के बेतुके आदर्श नहीं स्थापित करें जिससे आपकी प्रगति में बाधा हो। इसीलिये हमारी सलाह है कि आप अस्सी प्रतिशत सफ़लता को अपना मानदंड बनायें।

आप ध्यान दें कि हर पाठ में नयी और जानी पहचानी जानकारी है ताकि अगर आप कुछ भूल जाने की चिंता कर रहे हों तो आपको आसानी से याद आ जाये। पिम्ज़लर भाषा कार्यक्रम का दूसरा उपयोगी आकर्षण इसकी परिपूर्णता है। आप एक मिनट में कई बार उतर देंगे। यह परिपूर्णता बहुत कम समय में आपकी ठोस प्रगति में सहायता करती है।

पौल पिम्ज़लर और उनकी अनोखी विधि

डाक्टर पिम्ज़लर ने अपना जीवन भाषा के शिक्षण में समर्पित किया और वो विश्व के विख्यात व्यावहारिक भाषा वैज्ञानिक थे। कोलंबिया विश्वविधालय से फ्राँसीसी में पी, एच, डी, प्राप्त करने के बाद उन्होंने फ्राँसीसी ध्वनि और स्वनिम विज्ञान पढ़ाया और यू, सी, एल, ए, की भाषा प्रयोगशाला का निरिक्षण किया। वे रोमांस भाषाओं और भाषा शिक्षा के आचार्य, ओहायो राज्य विश्वविधालय के श्रवण केंद्र के निर्देशक, अलबानी में न्यू यार्क राज्य विश्वविधालय में शिक्षा और रोमांस भाषाओं के आचार्य, और हाइडेलबर्ग विश्वविधालय में आचार्य थे। डाक्टर पिम्ज़लर फ्राँसीसी अध्यापकों के अमरीकी संघ ए, ए, टी, एफ, अमरीकी शैक्षिक अनुसंधान संघ ए, ई, आर, ए, आधुनिक भाषा संघ एम, एल, ए, के सदस्य थे और विदेशी भाषा के अमरीकी परिषद ए, सी, टी, एफ, के स्थापित सदस्य थे। उनकी कई पुस्तकों और लेखों ने भाषा अध्धयन और शिक्षण के सिद्धांतों में आमूल परिवर्तन लाया।

कई वर्षों के अनुभव और अनुसंधान के बाद, डाक्टर पिम्ज़लर ने एक नयी विधि का विकास किया जो दो मुख्य नियमों पर आधारित हैं:

पूर्वानुमान का नियम और स्मृति का वैज्ञानिक नियम जिसको उन्होंने क्रमबद्ध अंतराल स्मरण कहा। यह कार्यक्रम इन दोनों नियमों को निगमित करता है और आपके लिये सबसे आसान और प्रभावशाली अध्ययन विधि मुहैया करता है।

पूर्वानुमान का नियम

पूर्वानुमान का नियम आपसे सही उतर का अनुमान लगाने की उपेक्षा करता है। प्रायोगिक रुप से, इसका अर्थ ये है कि पाठ में पक्का जवाब मिलने के पहले आपको अपनी स्मृति से ढूँढना पड़ता है। यह इस तरह काम करता है:

पाठ आपको चुनौती देगा - शायद
आपसे नयी भाषा में पूछेगा:
क्या आप आज सिनेमा जा रहे हैं?
उसके बाद एक ठहराव होगा और आपको
जो जानकारी पहले दी गयी थी उसपे
निर्धारित करते हुए आप कहेंगे:
जी नहीं, मैं कल गया था।

फिर अध्यापक आपके उतर को निश्चित
करेंगे:
जी नहीं, मैं कल गया था।

डाक्टर पिम्ज़लर के इस शिक्षण विधि का निर्माण करने के पहले, भाषा के पाठ दुहराने के नियम पर आधारित थे। शिक्षक छात्रों के दिमाग़ में बार-बार शब्द डालते थे जैसे कि दिमाग़ एक रिकार्ड हो जिसमें दुहराने से गहरी धारियाँ पड़ती हों। लेकिन, तंत्रशरीर क्रिया के वैज्ञानिक कहते हैं कि आसान और बिना चुनौती दिये दुहराने से सीखने की प्रक्रिया पर सम्मोहन का प्रभाव पड़ता है। अंत में दुहराये गये शब्द अपना अर्थ खो देते हैं। डाक्टर पिम्ज़लर ने पता लगाया कि सीखने में प्रगति होती है जब आगत-निर्गत में परस्पर प्रक्रिया होती है और जब छात्र जानकारी प्राप्त करते हैंऔर फिर उनसे पूछा जाता है कि वो स्मरण करके उस जानकारी का प्रयोग करें।

क्रमबद्ध अंतराल स्मरण

क्रमबद्ध अंतराल नियम स्मृति के एक बहुत सरल सिद्धांत का पेचीदा नाम है। विदेशी भाषा सीखने के लिये स्मरण से अधिक महत्वपूर्ण पहलू कुछ भी नहीं है। फिर भी डाक्टर पिम्ज़लर से पहले किसी ने भी भाषा स्मृति का निर्माण करने के लिये अधिक प्रभावशाली तरीक़ों की खोज नहीं की।

अपने अनुसंधान में डाक्टर पिम्ज़लर ने पता लगाया कि छात्र कितनी देर तक नयी जानकारी को याद रखते हैं और किस अंतराल पर उन्हें याद दिलाने की आवश्यकता होती है। अगर बहुत जल्दी या बहुत देर पर याद दिलाया गया तो वो जानकारी को याद नहीं रख पाते हैं। इस खोज पर निर्धारित करके उन्होंने एक तालिका बनाई कि कब और कैसे जानकारी को फिर से प्रस्तुत करना चाहिये।

ऐसा सोचिये कि आपने एक नया शब्द सीख लिया है। आप अपने आप को इस शब्द को याद रखने के लिये कहते हैं। परंतू पाँच मिनट के बाद आपको वह शब्द याद नहीं आता है। अगर आपको पाँच सेकंड के बाद यह शब्द याद कराया जाता तो शायद आप इसे एक मिनट के लिये याद रखते। उसके बाद आपको फिर याद दिलाने की जरुरत पड़ती। जितनी बार आपको याद दिलाया जाये, आपको वह शब्द पिछली बार से ज़्यादा याद रहता है। याद दिलाये जाने के बीच का अंतराल लंबा होता जाता है जब तक आप वह शब्द बिना याद दिलाये याद कर लें।

यह कार्यक्रम बहुत सावधानी के साथ तैयार किया गया है ताकि आपको नयी जानकारी बिल्कुल ठीक अंतराल पर याद दिलायी जाये। इससे सबसे अधिक स्मरण होता है। जब भी आपकी स्मृति मंद पड़ने लगेगी, तब आपको उस शब्द का स्मरण करने के लिये कहा जायेगा। इस प्रभावशाली विधि से आप बिना सचेत हुये छोटी अवधि से लंबी अवधि की स्मृति की ओर उन्नति करते हैं और परंपरागत भाषा पाठयक्रमों में नीरस रटे हुये दुहराने की विधि से बचे रहते हैं।

मूल शब्दावली

यह दो सिद्धांत पिम्ज़लर विधि की बुनियाद हैं, मगर कुछ पहलू और भी हैं जो इस विधि को अनोखापन प्रदान करते हैं। इसमें शब्दावली भी सम्मिलित है। जब हम एक नयी भाषा सीखने की कोशिश करते हैं तो उसकी अनंत शब्दावली से भयभीत रहते हैं। लेकिन व्यापक अनुसंधान से पता चला है कि सफ़लतापूर्वक वार्तालाप करने के लिये हमें सिर्फ़ सीमित शब्दों की आवश्यकता पड़ती है।

भाषा का विभाजन दो विभिन्न वर्गों में हो सकता है: व्याकरण रचना कार्य शब्द और ठोस शब्दावली विषय शब्द। डाक्टर पिम्ज़लर ने पता लगाया कि पहले वर्ग पर ध्यान देने से और नयी भाषा की रचना को समझने और प्रयोग करने से भाषा सीखने वाले नये ज्ञान को आसानी से इस्तमाल करते हैं। बहुत कम विषय शब्द हैं जिनको जानने और हर दिन प्रयोग करने की आवश्यकता होती है। भाषा का आवश्यक मूल कार्य शब्द हैं जो मानवीय क्रिया कलापों से संबंधित हैं।

संघटित ज्ञान

पिम्ज़लर विधि शिक्षण एक भाषा को सबसे कम समय में समझने और बोलने में महारत हासिल करने पर केंद्रित है। आप अपनी शब्दावली, व्याकरण और उच्चारण का एक साथ अभ्यास करेंगे और मुहावरे सीखेंगे जिनका बोल-चाल की भाषा में प्रयोग होता है।

ऐसा कहा जाता है कि भाषा मुख्य रुप से वाणी है। यह ध्यान में रखते हुये, डाक्टर पिम्ज़लर ने अपने भाषा कार्यक्रम की रचना ध्वनि पर की क्योंकि उनको मालूम था कि विधार्थी अपनी आँखों से नहीं बल्कि अपने कानों से ज़्यादा सीखेंगे। डाक्टर पिम्ज़लर ने इसे संघटित ज्ञान कहा जिससे कई भागों को एक साथ सीखा जा सकता है। उनकी पद्धति छात्रों को व्याकरण, शब्दावली और उच्चारण प्राकतिक और उ`जित तरीक़े से सीखने मे सहायता करती है।

यह पाठयक्रम एक नयी भाषा के आवश्यक तत्वों को बहुत कम समय में समझने और बोलने के लिये बनाया गया है। हर आधे घंटे के पाठ में, आप दो लोगों से बातें करेंगे और ऐसी भाषा का प्रयोग करेंगे जो पढ़े लिखे नागरिक हर दिन व्यापारिक और सामाजिक जीवन मे बोलते हैं। इस कार्यक्रम की अनोखी विधि वार्तालाप प्रस्तुत करती है जिससे आप सीखने की सामान्य दुविधाओं से बच जाते हैं।

आपको शब्द सूची का स्मरण करने की या व्याकरण के नियमों को सीखने की आवश्यकता नहीं होगी, और लिखित घर का काम भी नहीं होगा। उसके बदले में एक अनुभवी शिक्षक सीखने में आपका पथ प्रदर्शन करेंगे।

पाठयक्रम विषय

जब आप एक पिम्ज़लर भाषा कार्यक्रम में महारत हासिल कर लेंगे तो आपके पास एक अत्यंत उपयोगी शब्दावली होगी। ये सामान्य शब्द, मुहावरे और वाक्य बहुत ध्यान से चुने गये हैं जो जब आप विदेश जायेंगे तो प्रतिदिन की स्थितियों में उपयोगी होंगे। आप सामाजिक स्तर पर शालीनता से बात करने में अभ्यस्त हो जायेंगे, यात्रा पर देशवासियों से वार्तालाप करेंगे, और परिवहन और टेलिफ़ोन का प्रयोग आत्मविश्वास के साथ करेंगे। आप रास्ता पूछ सकेंगे और शहरों का भ्रमण कर सकेंगे।

भाषा की निपुणता सीखने से आप अनौपचारिक बातचीत में भाग ले सकेंगे, असलियत ज़ाहिर कर सकेंगे, निर्देश दे सकेंगे, और वर्तमान, भूत और भविष्य की गतिविधियों का वर्णन कर सकेंगे। आप रोज़मर्रा के विषयों और शिष्टाचार की ज़रुरतों को पूरा कर सकेंगे। आपकी भाषा देशवासियों को बिल्कुल स्पष्ट लगेगी-यहाँ तक कि वो लोग भी आपकी बात आसानी से समझेंगे जिन्हें विदेशियों से बात करने की आदत नहीं है। यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि आपको अनुमान होगा कि कैसे सवाल पूछना चाहिये जिससे आपका भाषा का ज्ञान और निपुणता से बढ़े क्योंकि आपका प्रशिक्षण पिम्ज़लर की विस्तृत प्रश्नात्मक तकनीक से हो चुका होगा।

पिम्ज़लर विधि अधिक सीखने और प्रगति के लिये एक उछाल-तख़्ता बन जाता है-जो हर वास्तविक शिक्षण प्रणाली का मुख्य उदेश्य है। जिन लोगों से आप बात करेंगे उन्हें आपकी सीखने की इच्छा बिल्कुल स्पष्ट दिखेगी। यह उनकी संस्कृति के प्रति आपकी सच्ची रुचि और आदर का संकेत करेगी।

प्रादेशिक भाषाओं की भिन्नताओं पर एक टिप्पणी

किसी भी विशाल देश में, यहाँ तक कि कई छोटे देशों में भी, भाषा में प्रादेशिक भिन्नताएँ आम बात है। उदाहरण स्वरुप, अमरीका में मेन का एक आदमी टेक्सास के आदमी से बहुत भिन्न बोलता है। उच्चारण-बोलने का लहजा-परिवर्तित होता है, और शब्दावली में भी छोटी भिन्नताएँ होती हैं। उदाहरण स्वरुप, जिसे न्यू यार्क और ऐरीज़ोना में पीने का झरना कहते हैं, उसे विस्कानसिन में बुलबुले उठाने वाला कहते हैं और जिसे अमरीका के एक हिस्से में नरम पेय कहते हैं, उसे अन्य हिस्सों में सोडा कहते हैं। अंग्रेज़ी में भिन्नताएँ उ री अमरीकियों और अंग्रेज़ों और अंग्रेज़ों और आस्ट्रेलियनों के बीच में भी स्पष्ट हैं। परंतू ये सभी अंग्रेज़ी के जन्मजाती भाषी हैं और बिना किसी अड़चन के ये सभी बोलचाल की अंग्रेज़ी में बातचीत कर सकते हैं एक ही अख़बार पढ़ सकते हैं, और दूरदर्शण के एक ही कार्यक्रम को देख सकते हैं।

एक भाषा के जम्मजात भाषी अक्सर किसी आदमी की आवाज़ सुनकर यह बता सकते हैं कि वो किस प्रदेश का है। प्रादेशिक भिन्नताओं के अलावा, सामाजिक भिन्नताएँ भी होती हैं। पिम्ज़लर भाषा कार्यक्रम एक सामान्य शिक्षित भाषा का प्रयोग करता है जिससे आपको देश के किसी भी कोने में कोई बाधा नहीं होगी।

SIMON & SCHUSTER'S

PIMSLEUR®

पिम्ज़्लर के बारे में अधिक जानकारी के लिये कृप्या
1-800-831-5497 परकौल कीजिये या इंटरनेट पर
www.pimsleur.com पर जाइये ।

© 1999 Simon & Schuster, Inc.
Pimsleur® is an imprint of Simon & Schuster Audio,
a division of Simon & Schuster, Inc. Mfg. in USA. All rights reserved.
Pimsleur® is a registered trademark of Beverly Pimsleur,
used by Simon & Schuster under exclusive license.
सभी अधिकार आरक्षित ।

Pimsleur covers the world of languages. You can choose from over 60 language programs, many with multiple levels, ranging from the most popular to the exotic. Become a Pimsleur learner and travel the world!

Programs available for these languages:

- Albanian
- Arabic (Eastern)
- Arabic (Egyptian)
- Arabic (Modern Standard)
- Armenian (Eastern)
- Armenian (Western)
- Chinese (Cantonese)
- Chinese (Mandarin)
- Croatian
- Czech
- Danish
- Dari (Persian)
- Dutch
- Farsi (Persian)
- French
- German
- Greek (Modern)
- Haitian Creole
- Hebrew (Modern)
- Hindi
- Hungarian
- Indonesian
- Irish
- Italian
- Japanese
- Korean
- Lithuanian
- Norwegian
- Ojibwe
- Pashto
- Polish
- Portuguese (Brazilian)
- Portuguese (European)
- Punjabi
- Romanian
- Russian
- Spanish
- Swahili
- Swedish
- Swiss German
- Tagalog
- Thai
- Turkish
- Twi
- Ukrainian
- Urdu
- Vietnamese

ESL (English as a Second Language):

- Arabic
- Chinese (Cantonese)
- Chinese (Mandarin)
- French
- German
- Haitian
- Hindi
- Italian
- Korean
- Persian
- Portuguese
- Russian
- Spanish
- Vietnamese